‘बिहार एक आशाजनक राज्य’ : आद्री में ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल

प्रकाशनार्थ

पटना**, 21** जुलाई। भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के 3 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को आद्री का दौरा किया। द्वितीय सचिव (राजनीतिक) श्री जैक टेलर, उप महा-वाणिज्यदूत श्री डेनियल सिम और वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (राजनीतिक) सुश्री वंदना सेठ ने बिहार और भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास के बारे में जानने के उद्देश्य से आद्री का दौरा किया। तीन घंटे से अधिक चली चर्चा में कई विषयों पर विमर्श हुआ जिसका नेतृत्व आद्री से प्रो. प्रभात पी घोष, डॉ सुनीता लाल, और आद्री का एक विशेष केंद्र सीईपीपीएफ से डॉ नीलाद्री एस धर, डॉ सुधांशु कुमार और श्री नीरज कुमार ने भाग लिया। .

जहां प्रो. घोष ने राज्य की अर्थव्यवस्था और उसके विकास के इतिहास का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया, वहीं डॉ. लाल ने संस्था निर्माण की चुनौतियों के बारे में प्रकाश डाला। डॉ. नीलाद्री एस धर ने रोजगारविहीन विकास और बढ़ती बेरोजगारी से निपटने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने नए शोध तैयार करने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसियों से आधिकारिक डेटा तक तत्काल पहुंच की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

डा. सुधांशु कुमार ने बिहार के सार्वजनिक वित्त परिदृश्य और राज्य के भविष्य के निवेश परिदृश्य के बारे में बताया। उन्होंने योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने के लिए बिहार में जमीनी स्तर के संस्थानों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया।

श्री नीरज कुमार ने इस बारे में बात की कि बिहार में लगातार सरकारों ने संघीय नीति-निर्माण में कैसे योगदान दिया है और कैसे भारत अब यूक्रेन के बाद की दुनिया में दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के देशों के साथ बहुपक्षीय संबंधों पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को इस बात से भी अवगत कराया कि कैसे बिहार ने नेपाल के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त के आने वाले महीनों में बिहार का दौरा करने की संभावना है।

(अंजनी कुमार वर्मा)